बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-408
11/11/2019

समाज में प्रेम और सद्भाव का माहौल कायम रखते हुए सभी को पढ़ायें, यही बापू और मौलाना अबुल कलाम आजाद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी :– मुख्यमंत्री

पटना, 11 नवम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर आयोजित शिक्षा दिवस–2019 कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में आयोजित समारोह में पौधा भेंटकर स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौलाना अबुल कलाम आजाद से संबंधित पुस्तक का भी मुख्यमंत्री ने विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने ख्याति प्राप्त गणितज्ञ एवं पटना साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रो0 के०सी० सिन्हा एवं अवकाश प्राप्त चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर श्री प्रेम वर्मा को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र के साथ ही सवा लाख रूपये का चेक भेंटकर मौलाना अबुल कलाम आजाद शिक्षा पुरस्कार–2019 से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने ज्ञान भवन में स्कूली बच्चों द्वारा 47वीं राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण से संबंधित प्रदर्शनी के साथ ही मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन –दर्शन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सबसे पहले शिक्षा दिवस समारोह 2019 का आयोजन बेहतर तरीके से करने के लिए शिक्षा विभाग को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि 2007 में हमलोगों ने बिहार में मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के मौके पर शिक्षा दिवस का आयोजन शुरू किया और इसके राष्ट्रव्यापी आयोजन के लिए हमने केंद्र को पत्र लिखकर आग्रह किया, जिसके बाद वर्ष 2008 से राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई। सर्वधर्म समभाव के पक्षधर मौलाना अबुल कलाम आजाद ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई में अपनी महती भूमिका निभाई बल्कि आजादी के दिनों में संघर्षशील रहते हुए देश का विभाजन न हो इसके लिए हर मुमकिन कोशिश की। उनकी अपील पर ही यहाँ से बाहर जाने का सिलसिला बंद हुआ, यह अपने आप में बहुत बड़ी चीज है। महिलाओं की शिक्षा और शिक्षा के विकास में देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद ने जो काम किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए ही हमलोग हर वर्ष शिक्षा दिवस का आयोजन करते हैं।

शिक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा दिवस समारोह को ज्ञान भवन तक ही सीमित न रखकर इसके स्वरूप को व्यापक कीजिए ताकि अधिक से अधिक लोगों की इसमें भागीदारी हो सके। उन्होंने कहा कि कृषि, विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विद्यार्थियों ने यहाँ जो प्रदर्शनी लगाई है, उसे देखकर मुझे काफी खुशी हुई है। मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन–दर्शन पर आधारित आज जिस पुस्तक का विमोचन हुआ है, मैं इस पुस्तक के लेखकों को बधाई देता हूँ। 10 अप्रैल 1917 को बापू पटना होते हुए चंपारण गये थे। चंपारण सत्याग्रह के सौवें साल पर वर्ष 2017 में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये, जो मार्च 2018 तक चले। चंपारण सत्याग्रह के सौवें साल पर ही 10 अप्रैल 2017 को ज्ञान भवन का उद्घाटन किया गया। सौवें साल पर ज्ञान भवन में आयोजित

कार्यक्रम में पूरे देश से गांधी विचारक एकत्रित हुए थे। बापू कहा करते थे कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। उनके विचारों को घर–घर तक पहुंचाने के लिए 'बापू की पाती' और 'एक था मोहन' नामक दो पुस्तकों को प्रकाशित करवाकर सभी स्कूलों में प्रतिदिन प्रार्थना के बाद कथावाचन की शुरुआत हुई जो आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि अगर 10 से 15 प्रतिशत भी युवा पीढ़ी बापू के विचारों से प्रेरित हो जाए तो यह समाज और देश बदल जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम के जीवन–दर्शन पर आधारित पुस्तक को स्कूली बच्चों के बीच वितरित कराने के साथ ही उनकी जीवनी को कक्षा आठ के सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा ताकि युवा पीढ़ी उनके व्यक्तित्व–कृतित्व से भलीभांति अवगत हो सकें। उन्होंने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद महिलाओं की शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के पक्षधर थे। बापू और मौलाना अबुल कलाम आजाद के विचारों को ध्यान में रखते हुए ही विगत 14 वर्षों में बिहार में विकास के कार्य किये गये। वर्ष 2007 में लड़कियों के लिए पोशाक योजना और 2008 में साइकिल योजना शुरू की गयी, जिससे विद्यालयों में लड़कियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ। साईकिल योजना शुरू होने से लड़कियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ने के साथ ही लोगों की सोच एवं उनकी मानसिकता में भी बदलाव आया। दो साल बाद लड़कों को भी साइकिल योजना का लाभ दिया जाने लगा। साईकिल योजना जब शुरू हुई उस वक्त 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या एक लाख 70 हजार से भी कम थी, आज उनकी संख्या लड़कों के बराबर हो गई है। हमने आंकलन कराया तो स्कूलों से बाहर रहने वाले बच्चों की संख्या 12.5 प्रतिशत थी, जिसमे सबसे ज्यादा महादलित और अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चे थे। उन्हें स्कूलों तक पहुंचाने के लिए नये विद्यालय भवनों का निर्माण, कक्षाओं का निर्माण, शिक्षक नियोजन के साथ ही हर प्रकार से प्रयास किये गये, जिसका नतीजा हुआ कि अब एक प्रतिशत से भी कम बच्चे स्कूलों से बाहर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमने काम संभाला तो प्रजनन दर 4.3 था जो अब घटकर 3.3 पर आ गया है। हर दस साल पर बिहार की आबादी करीब 24 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। एक किलोमीटर के अंदर हमारी जो आबादी है वह सिंगापुर को छोड़कर दुनिया के अन्य किसी भी स्थान पर नहीं है। प्रजनन दर को कम करने के लिए हमलोगों ने प्रत्येक पंचायत में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोलने का निर्णय लिया क्योंकि अध्ययन से पता चला कि जहॉ लड़की इंटर पास है तो देश का प्रजनन दर 1.7 है और बिहार का 1.6। इसे देखते हुये करीब 6000 पंचायतों में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोले जा चुके हैं और अगले साल के अप्रैल माह तक बिहार की सभी पंचायतों में 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई शुरू कराने की दिशा में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार का ग्रॉस एनरॉलमेंट रेशियो 13.5 है, जबकि देश का 24 प्रतिशत। हमारा लक्ष्य है कि बिहार का ग्रॉस एनरॉलमेंट रेशियो 30 प्रतिशत से कम न हो जिसको देखते हुए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की गयी है। इस योजना के तहत राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से इंटर से आगे की पढ़ाई करने वाले छात्रों को 4 लाख रूपये तक का शिक्षा ऋण दिया जा रहा है। काफी संख्या में इस योजना का लाभ अब छात्र लेने लगे हैं। बिहार में चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी, चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, आर्यभट ज्ञान विश्वविद्यालय जैसे संस्थान खोले गये हैं। पांच नये मेडिकल कॉलेज, हर जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज, पारा मेडिकल संस्थान, जी0एन0एम0 संस्थान, महिला आई0टी0आई0 और हर सब डिविजन में ए0एन0एम0 इंस्टीच्यूट और आई0टी0आई0 की स्थापनी की जा रही है ताकि मजबूरी में किसी को पढ़ने के लिए बाहर नहीं जाना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण पर संकट उत्पन्न हो रहा है और भूजल स्तर नीचे चला जा रहा है। इसे देखते हुए हमलोगों ने जल–जीवन–हरियाली अभियानी की शुरुआत की है क्योंकि जल और हरियाली के बीच ही जीवन सुरक्षित है। इस अभियान में 11 सूत्री कार्यक्रम के अलावा प्रदूषण की समया को भी जोड़ा गया है। उन्होंने

कहा कि आज कल आपसी झगड़ा ज्यादा देखने को मिल रहा है जिसके कारण कई प्रकार की समस्याएं सामने आ रही हैं इसलिए आपस में प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का भाव होना चाहिए। बापू और मौलाना अबुल कलाम आजाद ने भी हमें यही सिखाया है। नई पीढ़ी के अंदर आपसी विद्वेष, घमंड और घृणा का भाव नहीं होना चाहिए, तभी समाज आगे बढ़ेगा। शिक्षा दिवस के अवसर पर हमें यही संकल्प लेना है कि समाज में प्रेम, भाईचारा और सद्भाव का माहौल कायम रखते हुए सभी को पढ़ाएंगे, यही बापू और मौलाना अबुल कलाम आजाद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आज पुरस्कृत हुए शिक्षाविदों को मुख्यमंत्री ने बधाई दी।

समारोह को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग श्री आर०के० महाजन, पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त श्री प्रेम वर्मा एवं पटना साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रो0 के०सी० सिन्हा ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक श्री संजय सिंह, उच्च शिक्षा निदेशक श्रीमती रेखा कुमारी, माध्यमिक शिक्षा निदेशक श्री गिरिवर दयाल, प्राथमिक शिक्षा निदेशक श्री रंजीत सिंह, श्री इम्तियाज अहमद, जिलाधिकारी श्री कुमार रवि, वरीय पुलिस अधीक्षक श्रीमती गरिमा मल्लिक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, शिक्षाविद् एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

******